भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2291
दिनांक 12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एम्स पटना के विस्तार की योजना

2291. श्री सुधाकर सिंहः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना की वर्तमान सीमित क्षमता के कारण गंभीर एवं जटिल रोगों से पीड़ित रोगियों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली जाना पड़ रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या ऐसी कम क्षमता के कारण बिहार राज्य से प्रतिवर्ष लगभग छह लाख रोगी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली आ रहे हैं जिससे अत्यधिक रोगी भार पड़ रहा है और यदि हों, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार के पास अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना की क्षमता वृद्धि, विभागों का विस्तार, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता में सुधार एवं सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु कोई प्रस्ताव विचाराधीन है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है: और
(घ) विस्तार योजना की वर्तमान स्थिति, अपेक्षित समय-सीमा और इसके लिए बजटीय प्रावधान का ब्यौरा क्या है;
(ङ) यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं तथा क्या सरकार का इस संबंध में कोई ठोस कदम उठाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत स्थापित, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना में 1240 बिस्तर कार्यशील हैं। वर्ष 2024-25 में, इस संस्थान ने ओपीडी (बहिरंग रोगी विभाग) में 10,75,684 रोगियों का उपचार किया और आईपीडी (अंतरंग रोगी विभाग) में 58,056 रोगियों का उपचार किया।

(ख) वर्ष 2024-25 के दौरान, बिहार राज्य के उन रोगियों की संख्या, जिन्होंने उपचार के लिए एम्स, दिल्ली का दौरा किया, निम्नानुसार है:

ओपीडी		**आईपीडी**
नए रोगी	फोलो-आप वाले रोगी	रोगी
1,58,983	3,24,421	45,333

(ग) से (ङ) वर्तमान वर्ष में, एम्स पटना ने किडनी प्रतिरोपण, लिवर प्रतिरोपण और कॉर्निया प्रतिरोपण सुविधा-केंद्र शुरु किए गए हैं। इस संस्थान में विभिन्न सुविधा का विस्तार चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

*****